Self Respect

07-06-2014

✓शिवबाबा अपने बच्चों, आत्माओं से बात करते हैं । आत्मा ही सुनती है ।

✓अभी तुम स्टीमर पर बैठे हो जाने के लिए । आत्मा समझती है अभी हम जा रहे हैं बाप के पास । इस सारी पुरानी दुनिया से वैराग्य है । इस छी-छी दुनिया, नर्क वेश्यालय में हमको रहना नहीं है ।

✓बाप कहते हैं मैं तुमको गुल-गुल दुनिया में, सुखधाम में ले जाने आया हूँ । मैं तुमको इस वेश्यालय से निकाल शिवालय में ले जाऊंगा तो अब बुद्धि का योग रहना चाहिए नई दुनिया में । कितनी खुशी होनी चाहिए । बेहद का बाबा हमको पढ़ाते हैं, यह बेहद सृष्टि चक्र कैसे फिरता है, वह तो बुद्धि में है । सृष्टि चक्र को जानने से अर्थात् स्वदर्शन चक्रधारी होने से तुम चक्रवर्ती राजा बनेंगे ।

✓इस छी-छी दुनिया को आग लगनी है, इसलिए इनसे अब दिल नहीं लगानी है | बाप कहते हैं मीठे-मीठे बच्चों, मैं तुम्हारे लिए स्वर्ग की स्थापना कर रहा हूँ । वहाँ तुम ही जाकर रहेंगे । अभी तुम्हारा मुँह उस तरफ है । बाप को, घर को, स्वर्ग को याद करना है ।

✓हम बेहद बाप से सुखधाम का वर्सा लेते हैं । यहाँ तो कितना दुःख है । कई गन्दी-गन्दी बीमारियां आदि होती हैं । बाप तो गैरन्टी करते हैं-तुमको वहाँ ले जाते हैं, जहाँ दुःख, बीमारी आदि का नाम नहीं । आधाकल्प के लिए तुमको हेल्दी बनाते हैं

✓तुम जानते हो अब बाप को याद करते-करते अपने इस शरीर को भी छोड़ साइलेन्स दुनिया में जाना है । याद करने से हेल्थ-वेल्थ दोनों ही मिलती हैं । भारत में पीस प्रासपर्टी थी ना

✓तुमको तो 3/4 सुख मिलता है, बाकी 1/4 दुःख भोगते हो । अब बाप कहते हैं- मीठे बच्चों, मुझे याद करो तो तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के पाप भस्म हो जायेंगे । और कोई उपाय नहीं ।

✓यहाँ तो तुमको बाप मिला है । तुमको चित्र रखने की दरकार नहीं है । बाप को तुम जानते हो । वह हमारा बेहद का बाप है, बच्चों को स्वर्ग की बादशाही का वर्सा दे रहे हैं । तुम आते हो बाप से वर्सा लेने । यहाँ कोई शास्त्र आदि पढ़ने की बात नहीं । सिर्फ बाप को याद करना है । बाबा बस हम आये कि आये । तुमको घर छोड़े कितना समय हुआ है? सुखधाम को छोड़े 63 जन्म हुए हैं

✓तुमको तो अभी शिवबाबा पढ़ाते हैं

✓बच्चियां 8 आना भी देती हैं- हमारी एक ईंट लगा देना । सुदामा का मिसाल सुना है ना । चावल मुट्ठी बदले महल मिल गया । गरीब के पास है ही 8 आने तो वही देंगे ना । कहते हैं बाबा हम गरीब हैं । अभी तुम बच्चे सच्ची कमाई करते हो । यहाँ सबकी है झूठी कमाई ।

✓एक धर्म की अभी फिर स्थापना हो रही है, बाकी सब खत्म हो जायेंगे । तुम जब स्वर्ग में थे तो और कोई धर्म नहीं था । चित्र में राम को बाण दे दिया है । वहाँ बाण आदि की तो बात नहीं । यह भी समझते हैं ।

✓एक कहानी है- दो बिल्ले लड़े, माखन कृष्ण खा गया । सारे विश्व की बादशाही रूपी माखन तुमको मिलता है । तो अब गफलत नहीं करनी है । छी-छी नहीं बनना है । इसके पीछे राजाई मत गंवाओ ।

✓देवतायें फूल थे, कलियुग में कांटे थे । अभी तुम संगम पर फूल बन रहे हो । किसको दु:ख नहीं देना है यहाँ ऐसे बनेंगे तब सतयुग में जायेंगे ।

✓शुभचिंतक स्थिति द्वारा सर्व का सहयोग प्राप्त करने वाले सर्व के स्नेही भव !

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।